



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 732]
No. 732]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 19, 1996/अग्राहायण 28, 1918
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 19, 1996/AGRAHAYANA 28, 1918

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1996

(आय-कर)

का.आ. 883(अ).—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 54 डक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित बंधपत्रों और यूनितों को विनिर्दिष्ट करती है, अर्थात् :—

1. आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली, द्वारा जारी किए गए या जारी किए जाने वाले तीन वर्ष की अवधि के पश्चात् मोचनीय सभी बंधपत्र;
2. आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के खंड (23घ) में निर्दिष्ट किसी पारस्परिक निधि (जिसके अंतर्गत भारतीय यूनित ट्रस्ट भी है) द्वारा जारी किए गए या जारी किए जाने वाले तीन वर्ष की अवधि के पश्चात् पुनः क्रय किए जाने योग्य सभी यूनित।

[अधिसूचना सं. 10248/फा. सं. 142/58/96-टी पी एल]

जय राज काजला, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th December, 1996

(Income-tax)

S.O. 883(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 54EA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby specifies the following bonds, and units for the purposes of the said section, namely :—

1. all bonds, redeemable after a period of three years, issued or to be issued by the Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi;
2. all units, repurchasable after a period of three years, issued or to be issued by any mutual fund (including the Unit Trust of India) referred to in clause (23D) of section 10 of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 10248/F.No. 142/58/96-TPL]

JAI RAJ KAJLA, Under Secy.